Why Biology should be included in school curriculum? विद्यालय पाठ्यक्रम में जीव विज्ञान को क्यों सम्मिलित किया जाए?

Ans:- जीव विज्ञान का सीधा संबंध हमारे दैनिक जीवन है। दैनिक जीवन में स्वास्थ्य का क्या महत्व है। मानव शरीर की संरचना क्या है इसे किस प्रकार पोषित किया जाए। इन सभी बातों की जानकारी जीव-विज्ञान शिक्षा द्वारा दी जाती है। जीव विज्ञान एक ओर परीक्षण-निरीक्षण, चिंतन, अन्वेषण से जुड़ी हुई तो दूसरी ओर सामाजिक विज्ञान से। इस विज्ञान का संबंध जीव तथा वनस्पति दोनो जगत है। जीव विज्ञान के क्षेत्र में नित्य नए अनुसंधान हो रहे हैं। अतः जीव विज्ञान शिक्षण पर बल देना आवश्यक है। जीव विज्ञान का कोई एक क्षेत्र नहीं है, बल्कि इसका क्षेत्र व्यापक है। इसके अंतर्गत कृषि विज्ञान, वन पर्यावरण, पशुपालन विज्ञान, स्वास्थ्य संबंधित जानकारी, मत्स्य पालन, पारितंत्र आदि आते हैं। जीव विज्ञान की विस्तृत क्षेत्र तथा मानव जीवन में इसकी उपयोगिता को देखते हुए विद्यालय पाठ्यक्रम में इसे सम्मिलित करना आवश्यक समझा गया। इससे संबंधित कुछ अन्य कारण इस प्रकार है-

1. प्राकृतिक साधनों का प्रयोग-

जीव विज्ञान शिक्षण द्वारा लोगों का ध्यान इस ओर खींचा जाता है कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किस प्रकार किया जाय। यदि सम्यक ढंग से इसका उपयोग नहीं किया गया तो इसका क्या दुष्परिणाम होगा। दूसरी ओर इस विज्ञान के अध्ययन से यह पता चलता है कि कौन-कौन सी लकड़ी किस कार्य के

Scanned with CamScanner

के लिए उपयोगी है। जड़ी-बूटियों का मानव रोग से क्या संबंध है। किन जड़ी-बूटियों का उपयोग किस रोग में किया जाए। पशु धन एवं अन्य जीव प्राणी हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी है आदि की शिक्षा जीव विज्ञान द्वारा दी जाती है।

2. जिज्ञासा शांति के लिए -

जीव जगत तथा वनस्पति जगत दोनों रहस्यों का भंडार है। विद्यार्थी इस रहस्य को जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। इससे संबंधित खोज कार्य में वे आनंद का अनुभव करते हैं। अतः जीव विज्ञान का शिक्षण आवश्यक है।

3. वैज्ञानिक बोध के विकास के लिए -

जीव विज्ञान के अध्ययन से छात्रों में वैज्ञानिक बोध उत्पन्न होता है। इस व्यापक चिंतन से मानव-प्रेम विकसित होता है।

4. समायोजन के लिए -

वैज्ञानिक खोज ने मानव जीवन को आधुनिक तथा जटिल बना दिया है। इस खोज के कारण हर दिशा में परिवर्तन आया है। इस परिवर्तन को समझने तथा उसके अनुसार समायोजन के लिए जीव-विज्ञान का अध्ययन आवश्यक है।

5. बीमारियों पर नियंत्रण के लिए -

बीमारियों का संबंध किसी-न-किसी प्रकार के कीटाणुओं तथा कीड़ों से रहता है। ये कीटाणु किस प्रकार रोग फैलाते हैं तथा इसका नियंत्रण

Scanned with CamScanner

कैसे किया जाय। इन सभी का अध्ययन जीव विज्ञान के द्वारा किया जाता है। जीव विज्ञान का संबंध शारीरिक स्वास्थ्य से अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है। इसके अध्ययन से ही स्वस्थ जीवन व्यतीत किया जा सकता है।

6. प्रदूषण शिक्षा को प्रोत्साहन -

आज वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण तथा मृदा प्रदूषण एक आम समस्या है। इन प्रदूषणों का प्रभाव प्राकृतिक चक्र में परिवर्तन ला दिया है। यदि इसे समय पर न रोका जाय तो एक दिन पृथ्वी पर जीवन लीला समाप्त हो जाएगी। अतः विश्व-व्यापी प्रदूषण समस्या को समझने के लिए जीव विज्ञान का अध्ययन आवश्यक है।

7. कृषि तथा पशुपालन के लिए -

कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान से फसल उत्पादन में हरित क्रांति ला दिया है। अच्छे किस्म के फसलों का उत्पादन अधिक मात्रा में कैसे किया जाए इसका अध्ययन जीव विज्ञान द्वारा ही संभव है। इसी प्रकार अच्छी नस्लों के पशु उत्पादन से लेकर उसकी देखभाल आदि की शिक्षा जीव विज्ञान का एक भाग है। दुग्ध उत्पादन तथा मांस, मछली, अंडा उत्पादन में वृद्धि के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली में जीव विज्ञान की शिक्षा आवश्यक है।

8. जनसंख्या शिक्षा के लिए -

आज की बढ़ती हुई जनसंख्या पृथ्वी के लिए कल एक बड़ी समस्या होगी। यदि इसकी शिक्षा छात्रों को न दी जाए तो जनसंख्या विस्फोट होगी।

Scanned with CamScanner

इस शिक्षा के अंतर्गत जनसंख्या बढ़ने का कारण, इसकी हानियाँ तथा जनसंख्या वृद्धि रोक-थाम की शिक्षा दी जाती है। जीव विज्ञान के शिक्षण से ही इसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला जा सकता है। अतः जनसंख्या शिक्षण के लिए जीवविज्ञान का अध्ययन आवश्यक है।

9. जीवन में आधुनिकीकरण

आधुनिक जीवन का स्वरूप अधिक जटिल होता जा रहा है। इसके कारण मानव जीवन में परिवर्तन आया है। इस परिवर्तन को समझने के लिए जीवविज्ञान का अध्ययन आवश्यक है। आधुनिक युग विज्ञान का युग है। आज हर क्षेत्र में नए-नए अनुसंधान कार्य हो रहे हैं। इसके कारण मानव जीवन शैली में परिवर्तन आ गया है। अतः, विज्ञान के हर पहलुओं को समझना आवश्यक हो गया है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि जीव विज्ञान का मानव जीवन में कितना महत्व है। विद्यालय पाठ्यक्रम में सम्मिलित किए जाने पर ही इसका समुचित लाभ छात्रों को मिल सकता है। जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जिसे जीवविज्ञान ने प्रभावित नहीं किया है। अतः इसके महत्व को देखते हुए ही पाठ्यक्रम में अनिवार्य विषय के रूप में सम्मिलित करना आवश्यक समझा गया।

Scanned with CamScanner